



बाइबल को जानने का तरीका

How to Know Your Bible

उद्देश्य (OBJECTIVE)

यह प्रशिक्षण मसीहियों को उनके विश्वास की जड़ - **परमेश्वर का वचन** - को गहराई से जानने में सक्षम बनाता है। बाइबल को समझना केवल अध्ययन की बात नहीं है, यह **संबंध और रूपांतरण** का साधन है। यह सिखावन बाइबल को पढ़ने, समझने, और उसके अनुसार जीने के व्यावहारिक तरीकों को उजागर करता है, जिससे आपके जीवन और सेवकाई में स्थायी फल उत्पन्न हो।

सारांश (OVERVIEW)

- बाइबल को जानना आत्मिक विकास और नेतृत्व के लिए आवश्यक है
- परमेश्वर का वचन जीवन और शक्ति से भरपूर है
- बाइबल अध्ययन का उद्देश्य है:
 - परमेश्वर को जानना
 - अपने जीवन को परमेश्वर के अनुसार ढालना
 - दूसरों को सच्चाई में मार्गदर्शन देना

बाइबल अध्ययन के प्रमुख सिद्धांत:

1. **पढ़ें (Read):** वचन को नियमित और ध्यानपूर्वक पढ़ें
 2. **मनन करें (Meditate):** परमेश्वर से व्यक्तिगत रूप से सुनने के लिए मनन करें
 3. **प्रार्थना करें (Pray):** वचन के प्रकाश में प्रार्थना करें
 4. **आज्ञा मानें (Obey):** जो सीखा है उसे जीवन में लागू करें
 5. **साझा करें (Share):** दूसरों के साथ परमेश्वर का वचन बांटें
- बाइबल का ज्ञान केवल सूचना नहीं, **परिवर्तन** लाता है
 - बाइबल को जानने से आत्मिक अधिकार, स्पष्टता, और विश्वास आता है

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- 2 तीमुथियुस 3:16-17
- यशायाह 55:10-11
- इब्रानियों 4:12
- भजन संहिता 119

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. आप बाइबल पढ़ने को अपनी दिनचर्या का नियमित हिस्सा कैसे बना सकते हैं?

2. आपने हाल ही में कौन-सा वचन पढ़ा है जिसने आपके जीवन को बदलने का काम किया?

3. परमेश्वर का वचन पढ़ते समय **मनन** और **प्रार्थना** का उपयोग कैसे कर सकते हैं?

4. आप दूसरों को बाइबल अध्ययन में शामिल करने के लिए क्या व्यावहारिक कदम उठा सकते हैं?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- भजन संहिता 1:1-3
- याकूब 1:22-25
- योहोशु 1:8
- मत्ती 7:24-27